देश से गरीबी, भ्रष्टाचार व आतंक को कैसे मिटाया जा सकता है?

गरीबी के कारण :- असमान आय व असमान संपत्ति । यह दोनों प्रत्येक व्यक्ति की योग्यता व सामर्थ्य के आधार पर उसे उपलब्ध होने चाहिए । लेकिन जिस व्यक्ति में इन दोनों में कोई कमी है तो उसे भी भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा, पानी, बिजली व वाहन आसानी से उपलब्ध हो ।

गरीबी मिटाने के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू हो:-

1. आय की सीमा हो:-

- वेतन कम से कम 5000 रुपए व अधिकतम 5 लाख रुपए प्रति मास हो ।
- पेंशन कम से कम 5 हजार रुपए प्रति मास हो ।
- बेरोजगारी भत्ता कम से कम 5000 रुपए प्रति मास हो ।
  (डिविडेंड व लाभ की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए।)

2. **संपत्ति की सीमा हो:-**

- 25 किलोमीटर (हवाई दूरी) में एक घर या / व एक दुकान या / व कृषि योग्य भूमि ।
- आभूषणों की सीमा हो । महिलाओं के लिए 200 ग्राम व पुरूषों के लिए 50 ग्राम हो ।
- हीरे की सीमा हो । महिलाओं के लिए 5 कैरेट और पुरुषों के लिए 1 कैरेट हो ।
- परिवार में पांच लोगों तक के लिए एक कार हो । व्यापार के लिए अलग हो ।
- नकदी की सीमा 10000 रुपए प्रति व्यक्ति हो, वह भी सिक्कों में ।

3. **बैंक बैलेंस जितना मर्जी हो जो समता कर के आधीन हो:-**

- यह एक चमत्कारी कर है जो अभी तक इस विश्व में कहीं भी लागू नहीं हुआ है । लेकिन जो देश इस कर को लागू कर देगा वह देश दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करने के स्थान पर, दिन दूनी रात सौ गुनी उन्नति करेगा ।

भ्रष्टाचार के कारण :- धन का रखना, संभालना व एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना आसान होना। दूसरी तरफ हमारे करो से संबंधित कानूनों का जटिल व अमानवीय होना और इसके साथ-साथ देश के नागरिकों की मनोस्थिति ।

भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए निम्नलिखित प्रावधान बनाए जाएं और लागू किए जाएं ।

1. करेंसी नोटों के स्थान पर सिक्कों का चलन हो । जो भी व्यक्ति 10000 रुपये (सिक्कों में) से अधिक नकदी रखता है उसे देशद्रोही घोषित किया जाए और उसे 10 साल काला पानी (5000 किलोमीटर तक जितनी दूर भेज सकते हैं भेज दिया जाए और किसी अपने को मिलने की इजाजत ना हो) का कारावास की सजा दी जाए ।
2. करों को सरल करना और उनकी दरों को उचित रखना |
3. जब तक सिक्कों का चलन नहीं होता तब तक किसी भी कार्यालय में, किसी भी कर्मचारी या वहां पर आने वाले व्यक्ति के पास 2000 रुपये से अधिक पाया जाए तो उसे भी देशद्रोही घोषित किया जाए और ऊपर लिखित सजा दी जाए ।

सिक्के चलने के बाद नकदी रखना, संभालना व एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना मुश्किल हो जाएगा और धीरे-धीरे मनोस्थिति में भी परिवर्तन हो जाएगा ।

आतंक के कारण

आतंक के कारण :- धन का आसानी से रखना, संभालना व एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना, हथियारों का आसानी से उपलब्ध होना व किसी व्यक्ति की मनोस्थिति है ।

आतंक को मिटाने के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू हो:-

1. पुलिस व सेना के अतिरिक्त किसी के पास हथियार पाए जाए तो उसे देशद्रोही घोषित किया जाए और उसकी सजा मौत हो ।
2. सिक्के चलने व उसकी सीमा होने से धन को रखना, संभालना व एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना मुश्किल हो जाएगा ।
3. जब धन व हथियारों की उपलब्धता समाप्त हो जाएगी तो धीरे-धीरे मनोस्थिति में भी परिवर्तन हो जाएगा । जब किसी भी व्यक्ति के पास हथियार नहीं होंगे तो सबकी सुरक्षा आज से बेहतर होगी, क्योंकि किसी के पास भी हथियार नही है ।

यदि आप अपने देश हिन्दुस्तान को स्वर्ग बनाना चाहते हैं तो यह अति आवश्यक है कि देश से गरीबी, भ्रष्टाचार व आतंक की समाप्ति हो, उसके लिए ऊपर लिखित प्रावधान लागू हो ।

श्री परमधाम, मेरठ